मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–013

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. डी. वी. एस.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
एम.वी.एस.-013 : गृह एवं व्यावसायिक वास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. गृहों के प्रकारों का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
2. कक्षविन्यास के नियमों की विवेचना कीजिए।
3. तल एवं छत के विचार सम्बन्धी सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
4. गृहप्रवेश के लिए मासादि विचारों का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
5. गृहप्रवेश की विधि का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. घर के समीप रोपण योग्य वृक्षों का सोदाहरण वर्णन कीजिए तथा इनसे उत्पन्न फलाफल का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* *4×10=40*

1. वास्तुशान्ति के नियमों का संक्षप में वर्णन करते हुए वास्तुशान्ति के महत्त्व का उल्लेख कीजिए।
2. गृहप्रवेश सम्बन्धी मुहूर्त्त की विवेचना कीजिए।
3. घर के समीप **अथवा** उपयोगार्थ जलव्यवस्था सम्बन्धी सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
4. संक्षेप में जीर्णोद्धार के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
5. उद्योग के लिए वास्तुशास्त्र में क्या विचारित है ? वर्णन बीजिए।
6. प्रतिष्ठानों के लिए बताए गये वास्तु सम्बन्धी नियमों का वर्णन कीजिए।
7. शिक्षा सम्बन्धी संस्थानों के निर्माण में वास्तुशास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
8. चिकित्सालयों के निर्माण में वास्तुशास्त्रीय नियमों की उपयोगिता का संक्षेप में वर्णन कीजिए।